gradeup

पारिस्थितिकी और पर्यावरण समसामयिकी अप्रैल २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

शांति वन पहल

खबरों में क्यों है?

• मरूस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन और कोरिया गणराज्य वन सेवा की सरकार ने शांति वन पहल की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं।

शांति वन पहल के संदर्भ में जानकारी

• यह 2019 में नई दिल्ली, भारत में यू.एन.सी.सी.डी. के पार्टियों के 14वें सम्मेलन के दौरान शुरू की गई दक्षिण कोरिया की एक पहल है।

• इसका उद्देश्य शांति और सुरक्षा का निर्माण करने वाली साझेदारियों के माध्यम से भूमि पतन तटस्थता (एल.डी.एन.) को लागू करना है।

• पी.एफ.आई. का लक्ष्य हिंसक संघर्ष से उबरने वाले देशों की पेशकश करना है, जो आजीविका और अर्थव्यवस्थाओं का पुनर्निर्माण करते समय स्थिरता और विश्वास प्राप्त करने का अवसर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- ई.टी.

सारस

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, नीन्दाकारा तटीय स्टेशन (केरल) में, कुछ बगुले भुखमरी के कारण अकालग्रस्त और मृत पाए गए हैं।

सारस के संदर्भ में जानकारी

• यह पक्षी की एक बड़ी प्रजाति है जो आर्द्रभूमि और उन क्षेत्रों का निवास करती है जो झीलों, तालाबों और नदियों के नजदीक होते हैं।

• यह सामान्यत: यूरोप और उत्तरी अमेरिका में और अफ्रीका, एशिया और ऑस्ट्रेलिया के अधिक समशीतोष्ण क्षेत्रों में भी पाए जाते हैं।

• यह एक मांसाहारी प्रजाति का पक्षी है, जिसमें सारस मुख्य रूप से मछलियाँ चरती हैं।

संरक्षण स्तर

• इसे जोखिमग्रस्त प्रजातियों की आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में 'न्य'नतम चिंतनीय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू + ए टू जेड एनिमल
लेदरबैक समुद्री कछुआ

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, थाईलैंड ने दुर्लभ लेदरबैक कछुए के घोंसलों की सबसे बड़ी संख्या देखी है और उनमें से कई ने पहली बार फांग-न्गा जिले में एक समुद्र तट पर समुद्र में अपना मार्ग बनाने हेतु अंडे से बाहर निकल गए हैं, इस घटना को दो दशकों से भी अधिक समय में देखा गया है।

लेदरबैक समुद्री कछुओं के संदर्भ में जानकारी

• लेदरबैक समुद्री कछुए, दुनिया के सबसे बड़े समुद्री कछुए हैं।
• उन्हें यह नाम उनके शेल के लिए दिया गया है, जो अन्य कछुओं की तरह सख्त होने के बजाय चमड़े की तरह होता है।

वितरण

• लेदरबैक कछुए को दुनिया भर में उष्णकटिबंधीय रेतीले समुद्र तटों पर स्थित घोंसले के शिकार स्थलों के साथ वितरित किया गया है और विदेशी सीमाएं शीतोष्ण और उपोष्णकटिबंधीय अक्षांशों तक विस्तारित होती हैं।

संरक्षण स्तर

• आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट के अनुसार, दुनिया भर में लेदरबैक कछुए की आबादी को गंभीर रूप से लुप्तप्राय और संकटग्रस्त माना जाता है।
• यह दर्जा उस क्षेत्र के साथ भी बदलती है जहां देश गिरता है। उन्हें थाईलैंड में लुप्तप्राय माना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-पर्यावरण
स्रोत- न्यूएशिया.कॉम, द गार्डियन
पृथ्वी दिवस 2020

खबरों में क्यों है?
• प्रत्येक वर्ष, विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाता है और इस वर्ष इसने पृथ्वी दिवस के 50 वर्ष पूरे होने को चिन्हित किया है। प्रत्येक वर्ष पृथ्वी दिवस एक थीम के साथ आता है और वर्ष 2020 के लिए चुनी गई थीम "जलवायु कार्रवाई" है।
• जलवायु कार्रवाई पर आधारित पृथ्वी दिवस 2020 में संग्रह में बहुत कुछ: डिजिटल इवेंट, प्रदर्शन और सहयोग है।
• कोविड 19 के प्रकोप के कारण चल रहे वैश्विक लॉकडाउन के साथ इस वर्ष पृथ्वी दिवस समारोह मुख्य रूप से डिजिटल रूप से आयोजित किया जाएगा।

उद्देश्य

• पर्यावरणीय सुरक्षा के अभियान का पूरा प्रभाव प्राप्त करने के लिए आम जनता, विशेषकर युवाओं के मध्य जागरूकता बढ़ाना है।

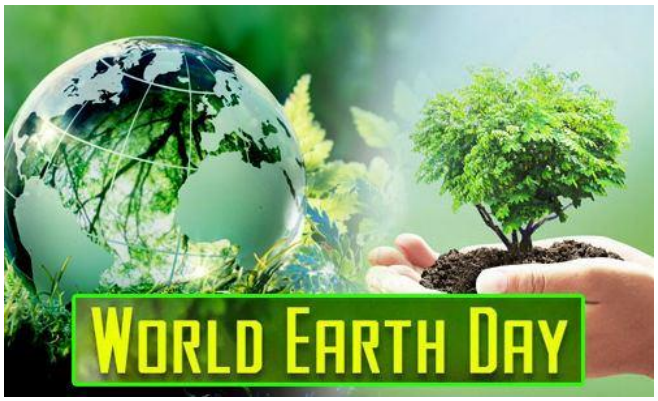

पृथ्वी दिवस के संदर्भ में जानकारी

• पृथ्वी दिवस प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को हमारे ग्रह के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता है, जो कि जीवन को स्थायित्व प्रदान करता है। पृथ्वी दिवस की शुरूआत संयुक्त राज्य अमेरिका में एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में हुई थी।
• यह पहली बार 1970 में मनाया गया था। 22 अप्रैल, 1970 को 150 वर्षों के औद्योगिक विकास के नकारात्मक प्रभावों का विरोध करने के लिए लाखों लोग सड़कों पर उतर आए थे।

संगठन

• पृथ्वी दिवस नेटवर्क (ई.डी.एन.), दुनिया भर में पृथ्वी दिवस का नेतृत्व करने वाला गैर-लाभकारी संगठन है।

पृथ्वी दिवस नेटवर्क के संदर्भ में जानकारी

• पृथ्वी दिवस नेटवर्क, एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसका मिशन दुनिया भर में पर्यावरण आंदोलन को चित्रित, शिक्षित और सक्रिय करना है।
• इसका मुख्यालय अमेरिका के वाशिंगटन, डी.सी. में स्थित है।

पृथ्वी के संदर्भ में कुछ रोचक बातें:

• पृथ्वी, गोलाकार नहीं है। विपरीत अपकेंद्र बल लगने के कारण भूमध्य रेखा के चारों ओर एक अतिरिक्त टायर के समान एक उभार है।
• पृथ्वी की आयु लगभग 4.54 बिलियन वर्ष है और यह निष्कर्ष, ग्रह की सतह पर खोजी गई पुरानी चट्टानों और उल्कापिंडों की डेटिंग पर आधारित हैं।

• प्रत्येक दिन धूल के रूप में लगभग 100 टन इंटरप्लेनेटरी कण पृथ्वी की सतह से नीचे की ओर गिरते हैं।
• ग्रहों का वर्तमान विन्यास कभी एकल इकाई या सुपरकंटिनेंट (महाद्वीप) था। सबसे हालिया सुपरकॉन्टिनेंट पैंजिया था, जो 200 मिलियन वर्ष पहले टूटना शुरू हुआ था और एक सेटअप स्थापित किया है, जिसे वर्तमान में हम देख रहे हैं।
• कई पृथ्वी जैसे ग्रह, तारों की परिक्रमा करते हैं, हालांकि यह अभी तक साबित नहीं हुआ है कि क्या पृथ्वी पर कभी जीवन मौजूद था। इस पर शोध चल रहा है।
• दुनिया का सबसे बड़ा पर्वत मध्य महासागर चोटी है, जो पानी के नीचे 65,000 किलोमीटर क्षेत्र पर फैले हुए ज्वालामुखियों की एक श्रृंखला है।
• यहां पर क्रेटर झीलें हैं, न्योस, मोनोउन और किवु उपस्थित हैं, कैमरून में और कांगो गणराज्य और ज़िम्बाब्वे की सीमा पर स्थित हैं, जो ज्वालामुखी पृथ्वी के ऊपर हैं और विस्फोट कर सकती है।
• चिली और पेरू के अटाकामा रेगिस्तान में कुछ धब्बे हैं, जहां इसकी स्थापना के बाद से बारिश कभी दर्ज नहीं की गई थी। यह ग्रह का सबसे शुष्क स्थान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण
स्रोत- ए.आई.आर.
देहिंग पतकाई वन्यजीव अभयारण्य

खबरों में क्यों है?

• देशव्यापी लॉकडाउन के बीच, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एन.बी.डब्ल्यू.एल.) ने असम में एक हाथी रिजर्व (देहिंग पतकाई वन्यजीव अभयारण्य) के एक हिस्से में कोयला खनन की सिफारिश की है।

पैनल की स्थापना

• एन.बी.डब्ल्यू.एल. ने जुलाई, 2019 में एक सदस्य समिति का गठन किया था, जिसमें उसके सदस्य आर. सुकुमार, असम के मुख्य वन्यजीव संरक्षक और खनन क्षेत्र के आकलन के लिए स्थानीय वन्यजीव प्रभाग के एक प्रतिनिधि शामिल थे।

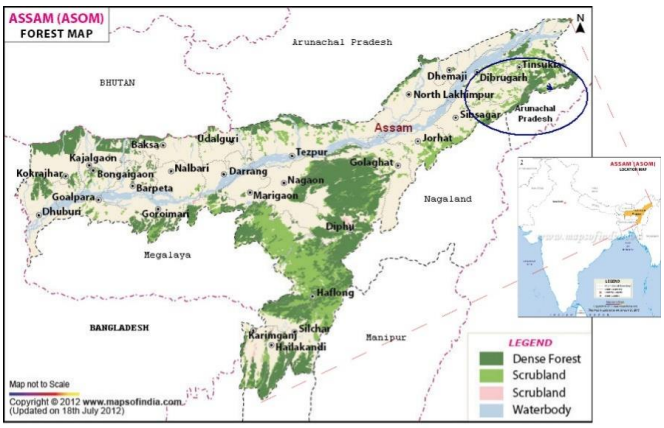

Figure 1. Forest map of Assam depicting the study area (circle).

Image 1. Tirap Reserve Forest (along the Tirap River on Arunachal Pradesh border)

Image 2. Bhorjan Reserve Forest, near Tinsukhia Town - potential site for butterfly inclusive ecotourism

देहिंग पतकाई वन्यजीव अभयारण्य के संदर्भ में जानकारी

- इसे जेपोर वर्षावन के रूप में भी जाना जाता है, जो असम में डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में स्थित है।
- देहिंग, एक नदी का नाम है जो इस जंगल से होकर बहती है और पतकाई पहाड़ी है जिसके तल पर अभयारण्य स्थित है।
- वनस्पति: यह एक पर्णपाती वर्षावन है, जो अर्ध-सदाबहार और हरे-भरे वनस्पतियों से घिरा हुआ है।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के संदर्भ में जानकारी

- यह एक संवैधानिक निकाय है क्योंकि इसका गठन धारा 5ए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत किया गया है।
- यह वन्यजीव संबंधी सभी मामलों की समीक्षा करने और राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों अर्थात संरक्षित क्षेत्रों में और इसके आसपास की परियोजनाओं को मंजूरी देने हेतु शीर्ष निकाय है।

संरचना:

- इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है और इसमें 47 सदस्यीय बोर्ड (अध्यक्ष सहित) है, जो सामान्यत: वर्ष में एक बार मिलते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

gradeup

पारिस्थितिकी और पर्यावरण समसामयिकी अप्रैल २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co